PSSEMR School, Tolahunse, Davanagere – 577002

Assembly Planning 2023-24

Incharge: <u>Hindi Department - CBSE</u>

Month: August **Day: Wednesday** **Date: 30/08/2023** **Class: CBSE**

Theme/Special Events/Event as per School Calendar	**RAKSHA BANDAN**
Anchor	**Name of the student: Deepak K Y and Aditi R C**
Pledge	**Name of the Student: Vedant S M**
Thought for the day	**Thought:** अकसर वही रिश्ता लाजवाब होता है, जो जमाने से नहीं, जज्बातों से जन्मा होता है| Name of the Student: Shashank Gowda
Daily News	1. Name of the Student: Yash
Special Song	Name of Students: Akshara & Team
Special Dance	Name of Students: Tanu Salimat & Team

About the day (Important days like – UNO/festivals/etc.)

भाइ बहन का प्यार किसी दुआ से कम नहीं
होता वह चाहे दूर भी हो तो गम नहीं होता ।
अक्सर रिश्ते दूरियों से पीक पड़ जाते हैं पर
भाई-बहन का प्यार कभी कम नहीं होता ।।

रक्षाबंधन भाई बहनों का वह त्यौहार है जो मुख्यतः हिंदुओं में प्रचलित है लेकिन इसे भारत के सभी धर्मों के लोग समान उत्साह और भाव से मनाते हैं । संपूर्ण भारत में इस दिन बहुत उत्साह और प्रसन्नता की लहर दौड़ती है। और इस दिन का दृश्य देखने लायक होता है और हो भी क्यों नहीं यही तो एक ऐसा विशेष दिन है जो भाई बहनों के लिए बना है ।

भाई बहनों के बीच प्रेम और कर्तव्य की भूमिका किसी एक दिन का मोहताज नहीं है परंतु रक्षाबंधन के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व की वजह से ही यह दिन बहुत महत्वपूर्ण है । वर्षों से चला आ रहा यह त्यौहार आज भी बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है ।
हिन्दू श्रावण मास (जुलाई - अगस्त) के पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला यह पर्व भाई का बहन के प्रति प्यार का प्रतीक है । रक्षाबंधन पर बहनें भाइयों की दाहिनी कलाई में राखी बांधती है तथा उनको तिलक करती हैं और उनसे अपनी रक्षा का संकल्प लेती हैं ।
ऐसा माना जाता है कि रक्षाबधन की शुरुआत लगभग 6 हजार साल पहले हुई थी । पौराणिक कथा के अनुसार राजा बलि को वचन देकर जब विष्णु पाताल जा पहुंचे तो श्रावण मास की पूर्णिमा को ही लक्ष्मी ने रक्षा सूत्र बांधकर विष्णु को मांगा था । दूसरी पौराणिक कथा के अनुसार शिशुपाल का वध करते समय भगवान श्रीकृष्ण की तर्जनी उंगली में चोट आ गई थी । उस समय द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर भगवान श्रीकृष्ण की उंगली पर बांध दिया था । यह घटना श्रावण पूर्णिमा के दिन हुई थी । श्रीकृष्ण ने भी भाई का फर्ज निभाते हुए द्रौपदी के चीरहरण के समय उनके वस्त्र को बढ़ाकर उनकी रक्षा की थी । तभी से इस दिन को रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाता है। इसीलिए आज भी पूरे संसार में सभी धर्म के लोग भाई-बहन के इस पवित्र पर्व को बहुत ही उत्साह और हर्ष के साथ मनाते हैं ।
अंत में चार पंक्तियों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ ।

चंदन का टीका, रेशम का धागा ,
सावन की सुगंध बारिश की फुहार,
भाई की उम्मीद बहन का प्यार,
मुबारक हो आपको
“” रक्षी -बंधन का त्योहार !

Name of the Student: Yuktha

Photo Gallary:

Happy
Raksha

Happy

CBSE
NEW DELHI
BAPUJI EDUCATIONAL ASSOCIATION (R)
CAIE
LONDON, UK
PSSEMR SCHOOL & PU COLLEGE
Happy
Raksha

Bandhan

CBSE
NEW DELHI
BAPUJI EDUCATIONAL ASSOCIATION (R)
PSSEMR SCHOOL & PU COLLEGE
CAIE
LONDON, UK

C B S E
NEW DELHI
BAPUJI EDUCATIONAL ASSOCIATION (R)
C A I E
LONDON, UK
PSSEMR SCHOOL & PU COLLEGE
Happy

********************************Thank You*********************************